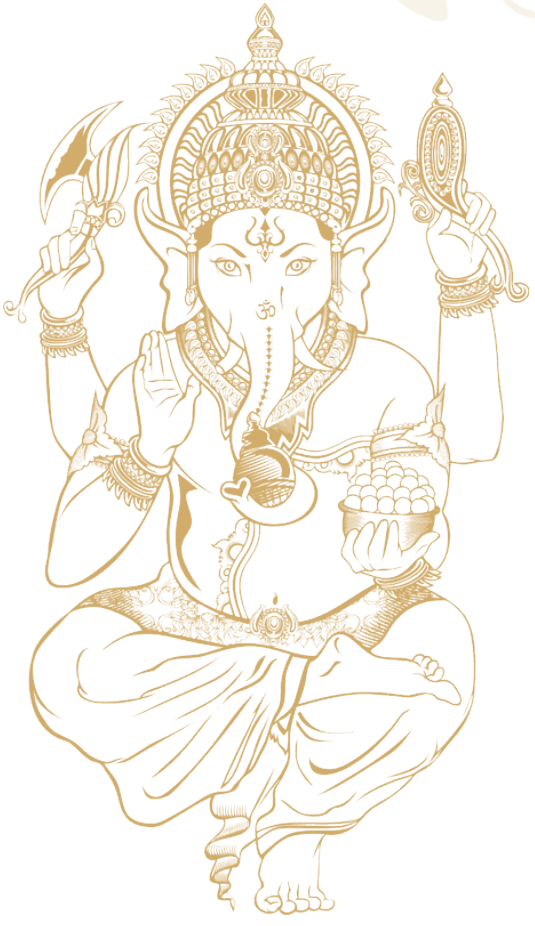

Satyam

05 Jun 2000

01:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121127002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:50:00 घंटे**
इष्ट	21:07:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:30 घंटे
साम्पातिक काल	06:25:09 घंटे
सूर्योदय	05:23:06 घंटे
सूर्यास्त	19:16:23 घंटे
दिनमान	13:53:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:06:57 वृष
लग्न के अंश	11:40:38 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:40:38	317:50:49	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			वृष	21:06:57	00:57:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	00:58:05	14:47:17	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	स्वराशि
मंगल		अ	वृष	28:36:00	00:40:43	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			मिथु	14:35:04	01:12:20	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	स्वराशि
गुरु			वृष	00:38:28	00:13:46	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	वृष	19:27:31	01:13:44	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मेष	29:49:13	00:07:23	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	01:19:13	00:00:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	01:19:13	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:55:01	00:00:32	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:30:41	00:00:51	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:35:05	00:01:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मिथु	11:54:36	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:31

लग्न-चलित

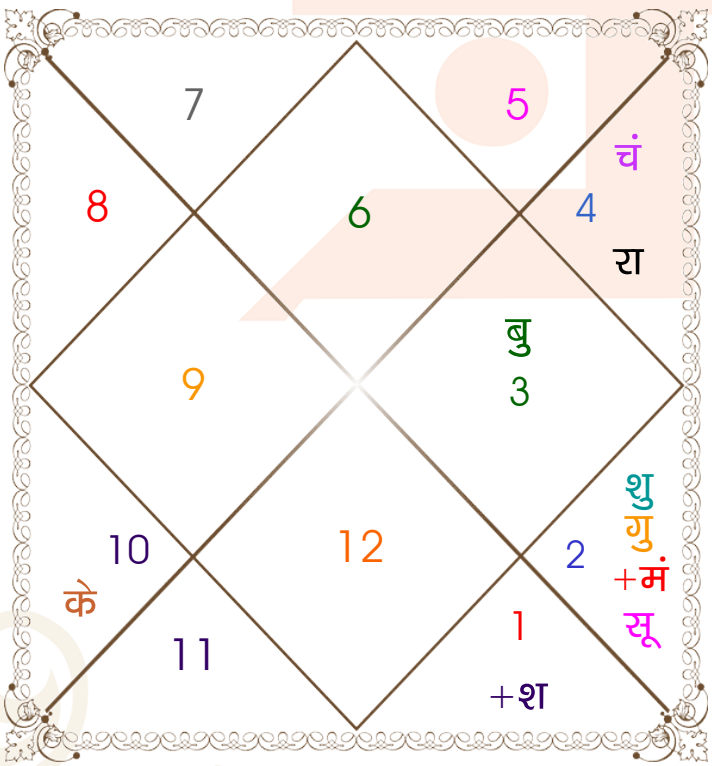

चन्द्र कुंडली

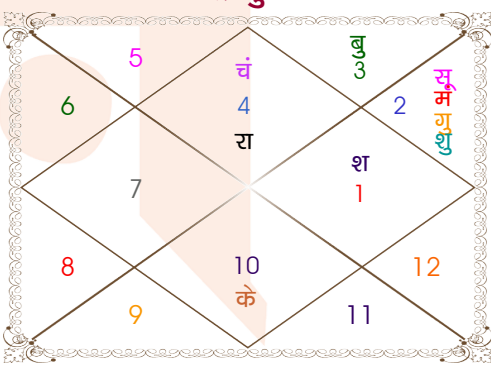

नवमांश कुंडली

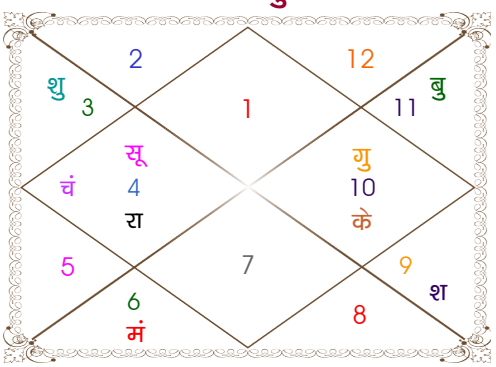

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 10 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/06/2000		08/04/2003		08/04/2022		08/04/2039		08/04/2046	
08/04/2003		08/04/2022		08/04/2039		08/04/2046		08/04/2066	
	00/00/0000	शनि	11/04/2006	बुध	03/09/2024	केतु	04/09/2039	शुक्र	07/08/2049
	00/00/0000	बुध	19/12/2008	केतु	31/08/2025	शुक्र	03/11/2040	सूर्य	07/08/2050
	00/00/0000	केतु	28/01/2010	शुक्र	01/07/2028	सूर्य	11/03/2041	चंद्र	07/04/2052
	00/00/0000	शुक्र	29/03/2013	सूर्य	08/05/2029	चंद्र	10/10/2041	मंगल	07/06/2053
	00/00/0000	सूर्य	11/03/2014	चंद्र	07/10/2030	मंगल	08/03/2042	राहु	07/06/2056
	00/00/0000	चंद्र	10/10/2015	मंगल	04/10/2031	राहु	27/03/2043	गुरु	06/02/2059
	05/06/2000	मंगल	18/11/2016	राहु	23/04/2034	गुरु	01/03/2044	शनि	08/04/2062
मंगल	12/11/2000	राहु	25/09/2019	गुरु	29/07/2036	शनि	10/04/2045	बुध	05/02/2065
राहु	08/04/2003	गुरु	08/04/2022	शनि	08/04/2039	बुध	08/04/2046	केतु	08/04/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/04/2066		07/04/2072		08/04/2082		07/04/2089		09/04/2107	
07/04/2072		08/04/2082		07/04/2089		09/04/2107		00/00/0000	
सूर्य	26/07/2066	चंद्र	05/02/2073	मंगल	04/09/2082	राहु	19/12/2091	गुरु	27/05/2109
चंद्र	25/01/2067	मंगल	06/09/2073	राहु	22/09/2083	गुरु	14/05/2094	शनि	08/12/2111
मंगल	02/06/2067	राहु	08/03/2075	गुरु	28/08/2084	शनि	20/03/2097	बुध	15/03/2114
राहु	25/04/2068	गुरु	07/07/2076	शनि	07/10/2085	बुध	07/10/2099	केतु	19/02/2115
गुरु	11/02/2069	शनि	06/02/2078	बुध	04/10/2086	केतु	26/10/2100	शुक्र	20/10/2117
शनि	24/01/2070	बुध	08/07/2079	केतु	02/03/2087	शुक्र	27/10/2103	सूर्य	08/08/2118
बुध	01/12/2070	केतु	06/02/2080	शुक्र	01/05/2088	सूर्य	19/09/2104	चंद्र	08/12/2119
केतु	08/04/2071	शुक्र	07/10/2081	सूर्य	06/09/2088	चंद्र	21/03/2106	मंगल	06/06/2120
शुक्र	07/04/2072	सूर्य	08/04/2082	चंद्र	07/04/2089	मंगल	09/04/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 10 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।